KisanKraft®

• IN NEWS

अधिकतम तापमान 31.2 » न्यूनतम तापमान 20.6 » सूर्योदय 6.04 » सूर्यास्त 17.42 » डॉलर 88.64 » यूरो 102.60 »

देश का विश्वसनीय अखबार

दैनिक भास्कर

लखनऊ वर्ष-10, अंक-09 शनिवार 11 अक्टूबर 2025 कुल पृष्ठ 18 मूल्य 3.00 रुपये

झांसी, नोएडा, लखनऊ और देहरादून से प्रकाशित

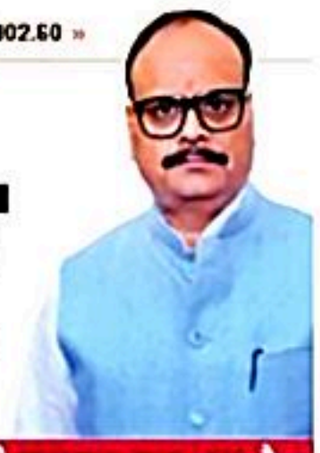

कुश्ती का खेल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी पहचान बना रहा है :

धान की सीधी बुवाई पर कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया में भव्य प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

- **डीएसआर तकनीक से खेती में क्रांति, वैज्ञानिकों ने बताया वैज्ञानिक प्रबंधन का तरीका**

भास्कर ब्यूरो

सीतापुर। कृषि में बढ़ती लागत, जल संकट और श्रम की कमी की चुनौतियों से निपटने के लिए, कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया, सीतापुर द्वारा धान की सीधी बुवाई तकनीक को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस का सफल आयोजन किया गया। किसानों में इस नई तकनीक को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। आयोजन स्थल पर कृषि यंत्रों, बीज पैकेटों, प्रदर्शन प्लॉटों और तकनीकी पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने इसे शिक्षाप्रद बना दिया।

लागत कम, उपज ज्यादा

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. दया एस. श्रीवास्तव ने कहा कि कृषि अब केवल परंपरा नहीं, बल्कि विज्ञान बन चुकी है। उन्होंने किसानों को वैज्ञानिक तरीके से खेती, संतुलित पोषण और खरपतवार नियंत्रण करने की सलाह दी, जिससे उपज में 20 से 25 प्रतिशत तक की वृद्धि सुनिश्चित हो सके। मुख्य वक्ता डॉ. शिशिर कांत सिंह, शस्य वैज्ञानिक, ने इस तकनीक को आज की जलवायु परिस्थितियों में कृषि का भविष्य बताया। उन्होंने इसके फायदों पर प्रकाश डालते हुए कहा इस तकनीक से खेत की तैयारी में समय और लागत दोनों की बचत होती है। इसमें सिंचाई जल और मजदूरी में कमी आती है। डॉ. सिंह ने चेतावनी दी कि इसमें सफल परिणाम के लिए खेत की समतलता, उचित नमी और शुरुआती 30 दिनों में खरपतवार नियंत्रण अत्यंत आवश्यक है।

एकीकृत कृषि और अवशेष प्रबंधन पर जोर

डॉ. आनन्द सिंह, पशु वैज्ञानिक, ने किसानों को एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि पशुपालन को कृषि से जोड़ने पर खेत की उर्वरता बढ़ती है और जैविक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। उन्होंने अवशेष प्रबंधन पर जोर देते हुए कहा, खेतों में अवशेषों को जलाने के बजाय उसका जैविक अपघटन कर मिट्टी में मिलाना चाहिए, जिससे मिट्टी की संरचना सुधरती है और अगली फसल की उत्पादकता बढ़ती है।

तकनीकी सीख और किसानों को आत्मनिर्भर बनाने का संकल्प

मुख्य अतिथि एवं प्रायोजक कंपनी किसान क्राफ्ट के हेड-रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. सुमन्त होला ने कहा कि उनकी कंपनी का लक्ष्य केवल बीज बेचना नहीं, बल्कि किसानों को आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि सीधी बुवाई तकनीक किसानों की लागत घटाकर उन्हें प्रतिस्पर्धी बना सकती है। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रक्षेत्र प्रबंधक, ने खरपतवार प्रबंधन को इसका सबसे महत्वपूर्ण पहलू बताया। उन्होंने सलाह दी कि किसान बुवाई के तुरंत बाद प्री-इमर्जेंस हर्बीसाइड (जैसे ब्यूटाक्लोर या पेंडिमेथालिन) और 20/25 दिन बाद पोस्ट-इमर्जेंस हर्बीसाइड का प्रयोग अनिवार्य रूप से करें, जिससे उपज में 15/20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव है। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के 82 प्रगतिशील किसानों, 7 बीज विक्रेताओं और कृषि विभाग के 4 अधिकारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई और सफल किसानों को पुरस्कृत भी किया गया।

Missed call : 076760 65555 Follow us on :

KisanKraft®

IN NEWS

विज्ञान केन्द्र कटिया में भव्य प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन धान की सीधी बुवाई पर कृषि

सीतापुर। धान की सीधी बुवाई **(DSR)** तकनीक को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया, सीतापुर द्वारा एक दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती वंदना व परिषद गीत के साथ हुआ। इसके पश्चात सभी अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदान कर किया गया। परिसर में किसानों का उत्साह सीधी बिजाई तकनीक को लेकर दिखाई दिया। कृषि यंत्रों, बीज पैकेटों, प्रदर्शन प्लॉटों और तकनीकी पोस्टरों की प्रदर्शनी ने आयोजन को शिक्षाप्रद बना दिया।डॉ. दया एस. श्रीवास्तव, अध्यक्षता करते हुए कहा कि ल्लकृषि अब केवल परंपरा नहीं बल्कि विज्ञान बन चुकी है। यदि किसान वैज्ञानिक तरीके से खेत तैयार करें, फसल का पोषण संतुलित रखें और खरपतवार नियंत्रण करें तो उपज में **20ऽ25%** की वृद्धि निश्चित है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम किसानों के बीच जागरूकता फैलाने का सर्वोत्तम माध्यम हैं।कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. शिशिर कांत सिंह, शस्य वैज्ञानिक, ने कहा कि धान की सीधी बुवाई **(DSR)** तकनीक आज की जलवायु परिस्थितियों में कृषि का भविष्य है। उन्होंने बताया कि धान की सीधी बुवाई से खेत की तैयारी में समय और लागत दोनों की बचत होती है।

KisanKraft®

IN NEWS

lokbharti.co.in

Lok Bharti Digital | Lokbhartipage | lokbhartiDigit-1 | Lokbhartidigital

लोक भारती

लखनऊ | शनिवार | 11 अक्टूबर, 2025

लखनऊ-कानपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष-23, अंक 255

पृष्ठ 08, मूल्य 3.00 रुपया

सुविचार

यदि आप एक सुखी जीवन जीना चाहते हैं,तो इसे एक लक्ष्य से बांधें न कि लोगों या चीजों से !

चांद का दीदार कर, मांगा अखंड सुहाग

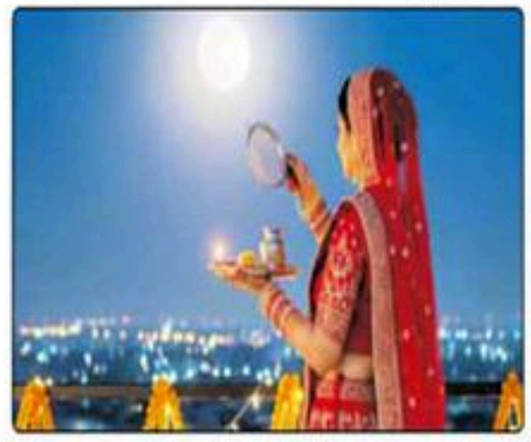

करवा चौथ पर सुहागिनों चांद का दीदार करके अपना व्रत का पारण किया सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक सुगाहिन महिलाएं निर्जला व्रत रखा। भगवान शिव, माता पार्वती और चौथ माता की पूजा की, और रात को चांद के निकलने पर अर्घ्य दिया।

भारतीय विदेश नीति के 'संतुलन' की परीक्षा 06

जर्जर बस स्टैंड बना यात्रियों की परेशानी का सबब 12

धान की सीधी बुवाई: कृषि में नई राह, किसानों में दिखा उत्साह

डीएसआर तकनीक से खेती में नई दिशा, वैज्ञानिकों ने साझा किए प्रबंधन के गुर

विशेषज्ञों ने बताया खेती में संसाधन बचत का तरीका, किसानों ने अनुभव साझा किए

डीएसआर तकनीक के लाभ

पानी की 25प्रतिशत तक बचत, मजदूरी लागत में 30प्रतिशत तक कमी, समय और संसाधनों की बचत, खरपतवार नियंत्रण और उत्पादन में बढ़ोतरी, जलवायु परिवर्तन के अनुरूप टिकाऊ खेती का विकल्प।

विशेषज्ञों का संदेश

खेत को समतल रखें, उचित नमी बनाए रखें, खरपतवार नियंत्रण को प्राथमिकता दें, पशुपालन और खेती को जोड़कर आय बढ़ाएँ।

मानपुर/सीतापुर। आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रसार और किसानों को प्रगतिशील खेती से जोड़ने के उद्देश्य से कृषि विज्ञान केन्द्र कटिया सीतापुर में धान की सीधी बुवाई पर एक दिवसीय प्रक्षेत्र दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पारंपरिक विधियों से इतर यह आयोजन पूरी तरह तकनीकी जागरूकता पर केंद्रित रहा। दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। इसके बाद अतिथियों का स्वागत पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्र देकर किया गया। आयोजन स्थल पर किसानों की भारी उपस्थिति ने उनके उत्साह को स्पष्ट कर दिया। कृषि यंत्रों, बीज, तकनीकी पोस्टरों और प्रदर्शन प्लॉटों की प्रदर्शनी ने इस कार्यक्रम को शिक्षाप्रद बना दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ. दयाएस. श्रीवास्तव ने कहा कि अब खेती महज परंपरा नहीं, बल्कि विज्ञान और प्रबंधन का संगम बन चुकी है। उन्होंने कहा। यदि किसान वैज्ञानिक तकनीक अपनाते हैं तो उपज में 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ोतरी संभव है। मुख्य वक्ता डॉ. शिशिर कांत सिंह ने डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) तकनीक को बदलते कृषि परिदृश्य में कारगर बताते हुए कहा कि लेजर लैंड लेवलर, रोटावेटर और सीड ड्रिल मशीन की मदद से खेत को समतल कर सीधा बीज डालने की विधि से पानी और श्रम दोनों में बचत होती है। उन्होंने जोर दिया कि डीएसआर में सफलता के लिए खेत की समतलता, नमी और खरपतवार नियंत्रण अनिवार्य है। पशु वैज्ञानिक डॉ. आनन्द सिंह ने किसानों से एकीकृत कृषि प्रणाली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि पशुपालन के साथ खेती जोड़ने से खेत की उर्वरता बढ़ती है और जैविक खाद की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। मुख्य अतिथि किसान क्राफ्ट के हेड रिसर्च एंड डेवलपमेंट डॉ. सुमन्त होला ने कहा कि उनकी कंपनी किसानों को उन्नत बीज, तकनीक और प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाना चाहती है। पीडी मैनेजर डॉ. किसन जीत सिंहा ने बीजों की गुणवत्ता और सीधी बुवाई के लाभों की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के संयोजक एवं नोडल अधिकारी डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि यह आयोजन खेत से खेत तक आधुनिक खेती का संदेश पहुँचाने की दिशा में एक सार्थक कदम है। कार्यक्रम में 82 प्रगतिशील किसान, 7 बीज विक्रेता और कृषि विभाग के 4 अधिकारी शामिल हुए। अंत में किसानों के लिए प्रश्नोत्तर सत्र और पुरस्कार वितरण भी किया गया।

Missed call : 076760 65555 Follow us on :

KisanKraft®

•IN NEWS

• 6 राज्य
• 2 केंद्रशासित प्रदेश
• 22 संस्करण

राजधानी •••••••••
वर्ष 18 | अंक 110 | पृष्ठ : 20+4=24
मूल्य : सात रुपये

अमर उजाला

लखनऊ
बुधवार, 15 अक्तूबर 2025
कार्तिक कृष्ण-नवमी
विक्रम संवत-2082

किसानों को दिया धान की बोआई का प्रशिक्षण

भीटी के रैमलपुर में गोष्ठी के दौरान उपस्थित किसान। -संवाद

संवाद न्यूज एजेंसी

भीटी (अंबेडकरनगर)। तहसील भीटी क्षेत्र के रैमलपुर गांव में मंगलवार को किसान क्राफ्ट के तत्वावधान में डीडीएसआर पर एक दिवसीय प्रदर्शन व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि विज्ञान केंद्र पांती के अध्यक्ष डॉ. रामजीत ने कहा कि धान की खेती ड्राई डायरेक्ट शीडेड राइस (डीडीएसआर) तकनीक बहुपयोगी है। इस विधि में सूखे, समतल और अच्छी तरह से तैयार खेत में सीधे धान के बीज की बोआई बिना नर्सरी के की जा सकती है। यह तकनीक किसानों पारंपरिक तरीकों की तुलना में 50 प्रतिशत तक पानी की बचत करती हैं।

किसान क्राफ्ट के सहायक प्रबंधक आलोक जैन ने बताया कि सूखे सीधे बीज वाली धान की किस्में स्वाद और गुणवत्ता में किसी प्रकार की कमी नहीं होने देती हैं। इस मौके पर चंद्र प्रकाश वर्मा, जयप्रकाश वर्मा, वेद प्रकाश श्रीवास्तव, ओम प्रकाश सिंह, अनिल कुमार सिंह, रामजन्म तिवारी और अवधेश आदि किसान उपस्थित रहे।

Missed call : 076760 65555 Follow us on :

KisanKraft®

IN NEWS

हिन्दुस्तान
भरोसा नए हिन्दुस्तान का

डीसीआर तकनीक से खेती लाभकारी

तकनीक का प्रदर्शन करते कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख

कटेहरी। किसानों को आधुनिक तरीके से जोड़ने की दिशा में किसानक्राफ्ट ने कटेहरी के रैमलपुर में सूखे सीधे बीज वाले धान पर एक तकनीकी प्रदर्शन किया। इसका उद्देश्य किसानों को डीएसआर तकनीक के लाभों से परिचित कराना और धान की खेती में पानी की बचत व लागत में कमी के उपायों पर जागरूक करना है। कृषि विज्ञान केन्द्र प्रमुख डा.रामजीत ने कहा कि धान की खेती देश की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है लेकिन घटते जल स्तर व बढ़ती लागत से किसानों के सामने चुनौती बन रही है। डीसीआर तकनीक से किसान समान उत्पादन के साथ 50 प्रतिशत तक पानी की बचत कर सकते हैं। किसानक्राफ्ट के असिस्ट प्लांगर डेवलपमेंट मैनेजर आलोक जैन ने बताया कि सूखे सीधे बीज वाले धान के उपयोग से किसान मिट्टी की उर्वरता के अनुसार बेहतर उपज प्राप्त कर सकते हैं।यह तकनीक पारंपरिक धान की तुलना में कम खर्चीला है और स्वाद में कोई अंतर नहीं आता है।

Missed call : 076760 65555   Follow us on :

स्वतंत्र प्रभात
15 Oct 2025 - Page 6

किसान क्राफ्ट ने सूखे सीधे बीज वाले धान पर आयोजित किया एक प्रदर्शन कार्यक्रम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अम्बेडकरनगर। किसानों को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत किसान क्राफ्ट ने जनपद के रैमलपुर गांव में "सूखे सीधे बीज वाले धान (ड्राई डायरेक्ट सीडेड राइस - KVK)" पर एक तकनीकी प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को डीएसआर तकनीक के लाभों से परिचित कराना और धान की खेती में पानी की बचत, लागत में कमी तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र (KVK) प्रमुख डॉ. रामजीत ने कहा कि "धान की खेती भारत की अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाती है, लेकिन घटता जलस्तर और बढ़ती लागत किसानों के सामने बड़ी चुनौती है। डीएसआर तकनीक अपनाने से किसान समान उत्पादन के साथ लगभग 50 प्रतिशत तक पानी की बचत कर सकते हैं।"

किसानक्राफ्ट के असिस्टेंट मैनेजर (डेवलपमेंट) आलोक जैन ने बताया कि सूखे सीधे बीज वाले धान की तकनीक से किसान मिट्टी की उर्वरता के अनुसार बेहतर उपज प्राप्त कर सकते हैं। यह पद्धति पारंपरिक धान की तुलना में कम खर्चीली है और इससे उत्पादित धान के स्वाद में कोई अंतर नहीं आता। वहीं आर एंड डी हेड डॉ. सुमंत होल्ला ने कहा कि "डीएसआर तकनीक से नर्सरी, पोखरिंग, समतलीकरण और रोपाई की आवश्यकता समाप्त हो जाती है, जिससे श्रम लागत में भारी कमी आती है। यह न केवल पर्यावरण के अनुकूल है बल्कि मीथेन गैस के उत्सर्जन को भी कम करती है।" कृषि विशेषज्ञ डॉ. मार्श मणि पांडेय ने कहा कि प्रदेश में लो-मीथेन धान को बढ़ावा देने के तहत डीएसआर तकनीक को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे जल संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा दोनों में सहयोग मिल रहा है।

कार्यक्रम का आयोजन एफपीओ डायरेक्टर चंद्रप्रकाश वर्मा के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर किसानक्राफ्ट के सेल्स मैनेजर रत्नेश विश्वकर्मा ने बताया कि कंपनी एक आईएसओ-प्रमाणित निर्माता, थोक आयातक और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि उपकरणों की वितरक है। देशभर में 5000 से अधिक डीलरों, एक विनिर्माण इकाई और 14 क्षेत्रीय कार्यालयों के माध्यम से किसानक्राफ्ट सीमांत किसानों की पैदावार बढ़ाने और उनकी आजीविका सुधारने में कार्यरत है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे और उन्होंने डीएसआर तकनीक के व्यावहारिक लाभों का प्रत्यक्ष अनुभव किया। इस दौरान किसान वेद प्रकाश श्रीवास्तव, जयप्रकाश वर्मा, ओम प्रकाश सिंह, अनिल कुमार सिंह, रामजन्म तिवारी, मनोज कुमार तिवारी, ओमप्रकाश वर्मा, रामकृष्ण वर्मा, रामकुमार वर्मा, नीरज वर्मा, श्याम सिंह समेत अनेक किसानों ने भागीदारी की।

KisanKraft®

IN NEWS

सीतापुर–गुरु ने छोड़ी BJP,BSP के हाथी पर हुए सवार,पूर्व विधायक राधेश्याम जायसवाल अब क्या करने जा रहे

https://youtu.be/xmfobCXQFs4

Sitapur -क्या है डीएसआर तकनीक,किसानों को कैसे होगा मुनाफा!

https://youtu.be/E5PnTtqs8qg?si=ofv8r0dAjtVHt1%E0%A4%97%E0%A4%B2

धान की सीधी बुवाई को लेकर कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को दिखाई नहीं राह

https://youtu.be/Xx1JkS3axjU